BY NAVNEET SIR Subscribe KGS TEACHING EXAM

हिन्दी

BPSC 4.0

Hindi by Navneet Sir

पानी में गिरने से किसी की मृत्यु नहीं होती,
मृत्यु तभी होती है जब तैरना नहीं आता,
परिस्थितियां कभी समस्या नहीं बनती,
समस्या तभी बनती है जब
उनसे निपटना नहीं आता.

वाक्य कितने प्रकार के होते हैं

वाक्य को मुख्यतः दो प्रकार से विभाजित किया गया है! अर्थात वाक्यों का विभाजन दो आधार पर किया गया है! जो इस प्रकार निम्न है!

1.अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार

2.रचना के आधार पर वाक्य के प्रकार

वाक्य

शब्दों का ऐसा व्यवस्थित रूप जिससे मनुष्य अपने विचारों का आदान प्रदान करता है उसे वाक्य कहते हैं। एक सामान्य वाक्य में क्रमशः कर्ता, कर्म और क्रिया होते हैं।

वाक्य के प्रकार

रचना के आधार पर

1. सरल वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्र वाक्य

अर्थ के आधार पर

1. विधानवाचक वाक्य
2. इच्छावाचक वाक्य
3. आज्ञावाचक वाक्य
4. निषेधवाचक वाक्य
5. प्रश्नवाचक वाक्य
6. विस्मयादिबोधक वाक्य
7. संकेतवाचक वाक्य
8. संदेहवाचक वाक्य

वाक्य विचार

वह शब्द समूह जिससे पूरी बात समझ में आ जाये, 'वाक्य' कहलाता है।

दूसरे शब्दों में- विचार को पूर्णता से प्रकट करनेवाली एक क्रिया से युक्त पद-समूह को 'वाक्य' कहते हैं।

सरल शब्दों में- सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह जिससे अपेक्षित अर्थ प्रकट हो, वाक्य कहलाता है।

जैसे- विजय खेल रहा है, बालिका नाच रही है।

दूसरे शब्दों में- विचार को पूर्णता से प्रकट करनेवाली एक क्रिया से युक्त पद-समूह को 'वाक्य' कहते हैं।

जैसे- विजय खेल रहा है, बालिका नाच रही है।

आचार्य विश्वनाथ ने अपने 'साहित्यदर्पण' में लिखा है-

''वाक्यं स्यात् योग्यताकांक्षासक्तियुक्त: पदोच्चय:।

अर्थात वाक्य ऐसे पदसमूह का नाम है जिसमें योग्यता, आकांक्षा और आसक्ति (सामीप्य) ये तीनों वर्तमान हों। उसे वाक्य कहते हैं।

वाक्य के भाग

वाक्य के दो भेद होते है

(i)उद्देश्य (Subject)

(ii)विद्येय (Predicate)

उद्देश्य :-वाक्य में जिसके विषय में कुछ कहा जाये उसे उद्देश्य कहते हैं।

सरल शब्दों में- जिसके बारे में कुछ बताया जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं।

जैसे- पूनम किताब पढ़ती है। सचिन दौड़ता है।

इस वाक्य में पूनम और सचिन के विषय में बताया गया है। अतः ये उद्देश्य है। इसके अंतर्गत कर्ता और कर्ता का विस्तार आता है जैसे- 'परिश्रम करने वाला व्यक्ति' सदा सफल होता है। इस वाक्य में कर्ता (व्यक्ति) का विस्तार 'परिश्रम करने वाला' है।

उद्देश्य के भाग-

उद्देश्य के दो भाग होते है-

(i) कर्ता (उद्देश्य

(ii) कर्ता का विशेषण या कर्ता से संबंधित शब्द। (उद्देश्य का विस्तार

विद्येय (Predicate):- उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है, उसे विद्येय कहते है।
जैसे- पूनम किताब पढ़ती है।
इस वाक्य में 'किताब पढ़ती' है विधेय है क्योंकि पूनम (उद्देश्य)के विषय में कहा गया है।
दूसरे शब्दों में- वाक्य के कर्ता (उद्देश्य) को अलग करने के बाद वाक्य में जो कुछ भी शेष रह जाता है, वह विधेय कहलाता है।
इसके अंतर्गत विधेय का विस्तार आता है। जैसे- लंबे-लंबे बालों वाली लड़की 'अभी-अभी एक बच्चे के साथ दौड़ते हुए उधर गई'।
इस वाक्य में विधेय (गई) का विस्तार 'अभी-अभी एक बच्चे के साथ दौड़ते हुए उधर' है।

विशेष-आज्ञासूचक वाक्यों में विद्येय तो होता है किन्तु उद्देश्य छिपा होता है।

जैसे- वहाँ जाओ। खड़े हो जाओ।

इन दोनों वाक्यों में जिसके लिए आज्ञा दी गयी है वह उद्देश्य अर्थात 'वहाँ न जाने वाला '(तुम) और 'खड़े हो जाओ' (तुम या आप) अर्थात उद्देश्य दिखाई नही पड़ता वरन छिपा हुआ है।

हरी घास

विधेय के भाग-

विधेय के छः भाग होते है-

(i) क्रिया → विधेय (विधेय का विस्तार)

(ii) क्रिया के विशेषण

(iii) कर्म — विधेय

(iv) कर्म के विशेषण या कर्म से संबंधित शब्द

(v) पूरक

(vi) पूरक के विशेषण।

नीचे की तालिका से उद्देश्य तथा विधेय सरलता से समझा जा सकता है

वाक्य	उद्देश्य	विधेय
गाय घास खाती है	गाय	घास खाती है।
सफेद गाय हरी घास खाती है।	सफेद गाय	हरी घास खाती है।

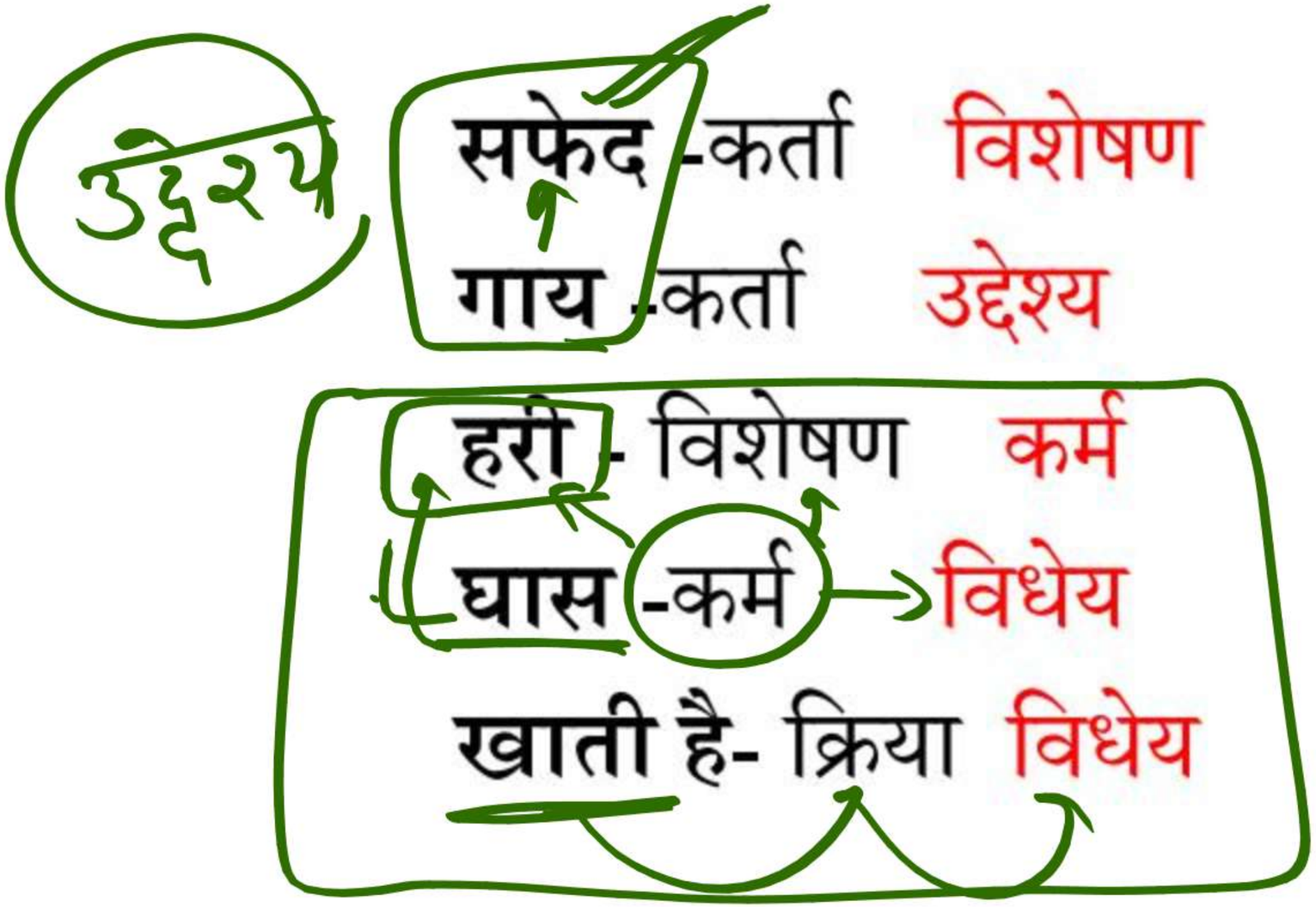
उद्देश्य
सफेद -कर्ता विशेषण
गाय -कर्ता उद्देश्य
हरी - विशेषण कर्म
घास -कर्म
विधेय
खाती है- क्रिया विधेय

वाक्य के भेद

बनावट

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते है-

(i)साधरण वाक्य या सरल वाक्य

(ii)मिश्रित वाक्य

(iii)संयुक्त वाक्य

एक उद्देश्य और एक विधेय

साधारण वाक्य

वाक्य शब्दों के मेल से बनते हैं जो अपने में कुछ न कुछ अर्थ छिपाए रहते हैं। अर्थ की पूर्ण अभिव्यक्ति के लिए इन शब्दों को एक व्यवस्थित क्रम में रखा जाता है। इस तरह सार्थक शब्दों का ऐसा व्यवस्थित समूह जो पूरा आशय प्रकट करता है, उसे वाक्य कहते हैं। अतः वाक्य

सार्थक शब्दों (पदों) के मेल से बनते हैं।

पूर्ण और स्वतंत्र होते हैं।

वक्ता की कही बातों का आशय स्पष्ट करते हैं।

शब्दों का एक निश्चित क्रम रखते हैं।

सरल वाक्य (simple sentence) – सरल वाक्य एक कर्ता तथा एक क्रिया के मेल से बनता है। इसमें कोई उपवाक्य जुड़ा नहीं होता है।

उद्देश्य

विधेय

जैसे-

कछुए ने खरगोश को हरा दिया।

नौकर ने समय पर काम पूरा कर लिया।

ड्राइवर समय से बस लेकर नहीं आया।

पक्षी शाम होते ही घोंसले की ओर लौट आते हैं।

संयुक्त वाक्य की विशेषताएँ –

संयुक्त वाक्य के उपवाक्य आपस में योजकों- या, वा, अथवा, इसलिए, और, किंतु, परंतु, लेकिन, तथा, एवं आदि

Trick = संयुक्त

मैं आप के घर पर आया परन्तु आप मुझे नहीं मिले

संयुक्त वाक्य की विशेषताएँ –

संयुक्त वाक्य के उपवाक्य आपस में योजकों- या, वा, अथवा, इसलिए, और, किंतु, परंतु, लेकिन, तथा, एवं आदि से जुड़े होते हैं।

संयुक्त वाक्य के कुछ उदाहरण

- आप नाटक देखने जाएँगे या सिनेमा।
- मरीज फल खा लेगा अथवा खिचड़ी से काम चलेगा।
- मदन को बस नहीं मिली इसलिए वह समय पर घर न आ सका।
- हम दोनों मंदिर गए और साथ-साथ पूजा की।
- बादल घिरे किंतु बरसात न हुई।

मिश्रवाक्य (complex or compound sentence) – जिस वाक्य में एक से अधिक उपवाक्य जुड़े हो, परंतु उनमें एक प्रधान उपवाक्य हो तथा दूसरा आश्रित उपवाक्य हो, उसे मिश्रवाक्य कहते हैं।

Trick

-जैसा-वैसा, जो-सो, जिसकी-उसकी, जहाँ-वहाँ, जब-तब, जैसी-वैसी, यदि-तो, जब तक-तब तक, जिन्हें-उन्हें आदि से

कि का प्रयोग होता है वहाँ पर मिश्र वाक्य होगा

(मिश्र) वाक्य

इस प्रकार के वाक्य एक प्रधान वाक्य और अन्य आश्रित उप-वाक्य का प्रयोग होता।

Trick

इस प्रकार के वाक्यों को आधे भाग को पढ़ने पर अधूरा-अधूरा सा लगता है।

मिश्रवाक्य (complex or compound sentence) – जिस वाक्य में एक से अधिक उपवाक्य जुड़े हो, परंतु उनमें एक प्रधान उपवाक्य हो तथा दूसरा आश्रित उपवाक्य हो, उसे मिश्रवाक्य कहते हैं। मिश्रवाक्य में आश्रित या गौण उपवाक्य प्रधान उपवाक्य पर निर्भर होते हैं। मिश्रवाक्य व्यधिकरण योजकों के युग्म-जैसा-वैसा, जो-सो, जिसकी-उसकी, जहाँ-वहाँ, जब-तब, जैसी-वैसी, यदि-तो, – जब तक-तब तक, जिन्हें-उन्हें आदि से जुड़े होते हैं। स्वतंत्र उपवाक्य को प्रधान उपवाक्य भी कहा जाता है।

मिश्रवाक्य के कुछ उदाहरण

- माँ ने कहा कि शाम को जल्दी लौट आना।
- जब मैं घर पहुँचा तब वर्षा शुरू हो चुकी थी।
- जैसे ही बादल घिरे वैसे ही बिजली चमकने लगी।
- जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ा है, तब-तब ईश्वर धरती पर अवतरित हुए हैं

12:30
YT
KGS Teaching exam

अर्थ के आधार पर वाक्य के मुख्यत आठ भेद होते है जो इस प्रकार है:

1.विधानवाचक वाक्य

2.निषेधवाचक वाक्य

3.आज्ञावाचक वाक्य

4.प्रश्नवाचक वाक्य

5.विस्मयवाचक वाक्य

6.संदेहवाचक वाक्य

7.इच्छावाचक वाक्य

8.संकेतवाचक वाक्य

विधानवाचक वाक्य

वह वाक्य जिससे किसी कार्य को करने या होने की जानकारी प्राप्त होती हो विधान वाचक वाक्य कहलाता है! आइये उदाहरण के माध्यम से समझ लेते है!

उदाहरण:

- दिल्ली भारत देश के राजधानी है!
- गीता एक सुन्दर लड़की है!
- राम अयोध्या के राजा थे!
- कश्मीर एक खूबसूरत जगह है!

निषेधवाचक वाक्य

मना करना

वह वाक्य जिससे किसी कार्य के नहीं होने का पता चलता है निषेध वाचक वाक्य कहलाता है! निषेध का अर्थ होता है "मना करने वाला"!

उदाहरण:

तुम मुंबई नहीं जाओगे!

वह स्कूल नहीं जायेगा!

राम तुमसे मिलने नहीं आएगा!

बिजली कल तक नहीं आएगी।

आज्ञावाचक वाक्य

वह वाक्य जिसमे जब किसी भी प्रकार की आज्ञा और अनुमति देने का भाव प्रकट हो इस प्रकार के वाक्यों को आज्ञा वाचक वाक्य कहलाते है!

उदाहरण:

कृपया यहां से चले जाओ!

मुझे एक ग्लास पानी पीला दो!

तुम अब यहां से जा सकते हो!

प्रश्नवाचक वाक्य

वह वाक्य जिसमे कोई प्रश्न पूछा जाये यानि की प्रश्न पूछे जाने का भाव प्रकट होता हो वे वाक्य प्रश्नवाचक वाक्य कहलाते है! ऐसे वाक्यों के अंत में प्रश्नवाचक चिन्ह (?) का प्रयोग किया जाता है!

उदाहरण:

- तुम्हारा नाम क्या है?
- राम के पिता का क्या नाम है?
- वह कौन से कक्षा मे पढता है?

विस्मयवाचक वाक्य

वह वाक्य जिनसे किसी भी प्रकार का शोर, हर्ष, आश्चर्य, घृणा और विस्मय आदि का भाव प्रकट होता हो वह विस्मय वाचक वाक्य कहलाते है! इन वाक्यों के अंत में विस्मयादिबोधक चिन्ह लगाया जाता है!

उदाहरण:

- ओह! मुझे बहुत थकान लग चुकी है!
- उफ! मुझे कितनी गर्मी महसूस हो रही है!
- हाय! कोई उसकी मदद करो।
- अहा! अब मजा आएगा।

संदेहवाचक वाक्य

वह वाक्य जिनको पढ़ने पर किसी कार्य के होने या न होने का संदेह का भाव प्रकट होता है उसे संदेह वाचक वाक्य कहा जाता है!

ऐसे वाक्यों में शायद, हो सकता है, मुझे लगता है, क्या पता आदि संदेह प्रकट करने वाले शब्दों का प्रयोग किया जाता है!

उदाहरण:

- हो सकता है वह स्कूल नहीं जायेगा!
- मुझे लगता है शायद राम कहि खो गया है!
- क्या पता वह पहुंचा होगा या नहीं।
- शायद हमे आने में देर हो जाये

इच्छावाचक वाक्य

जिन वाक्यों से किसी प्रकार की इच्छा शुभकामना या आशीर्वाद इत्यादि का बोध हो वे इच्छा वाचक वाक्य कहलाते हैं!

वह वाक्य जिसमे किसी भी शुभ कार्य की शुभकामना और आशीर्वाद आदि शब्दों का बोध प्रकट होता हो इच्छा वाचक वाक्य कहलाते है! उदाहरण माध्यम से समझते है!

उदाहरण:

- आपकी जिंदगी खुशहाल रहे!
- नव वर्ष के आपको ढेरों शुभकामनाये!
- आपकी यात्रा सुखद रहे।

संकेतवाचक वाक्य किसे कहते हैं?

वह वाक्य जिससे किसी पहले कार्य का किसी दूसरे कार्य पर निर्भरता का बोध होता है! उसे संकेत वाचक वाक्य कहते है!

उदाहरण:

- मेहनत करोगे तो सफलता अवश्य हासिल होगी!
- यदि वर्षा हुई तो कपड़े भीग जाएंगे।
- समय पर पहुंच जाते तो ट्रेन मिल जाती।

संयोजक संयुक्त वाक्य

संयोजक सयुंक्त वाक्य जब एक साधारण वाक्य दूसरे साधारण वाक्य और मिश्रित वाक्य से सयोंजक अव्यय(और, एवं, तथा) के माध्यम से जुड़े हो सयोंजक संयुक्त वाक्य कहलाता है!

उदाहरण:

गीता गयी और सीता आयी!

आपके लिए खिचड़ी एवं मेरे लिए दाल बनी है!

विरोधसूचक संयुक्त वाक्य

जिन वाक्यों में साधारण और मिश्रित वाक्यों का परस्पर भेद या विरोध का संबंध रहता है! विभाजक संयुक्त वाक्य कहलाता है!

उदाहरण:

वह मेहनत तो बहुत करता है पर फल नहीं मिलता!

वह खेलने में बहुत अच्छा है लेकिन पढाई लिखाई नहीं करता!

विभाजक संयुक्त वाक्य

जब दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य स्वीकार करना होता है अर्थात वाक्यों के बिच विकल्प दिया जाये एक को स्वीकार और दूसरे को त्यागा जाये! विभाजक संयुक्त वाक्य कहलाता है!

उदाहरण:

ठीक से काम करो वरना नौकरी छोड़ दो!

वह मोहन के साथ रहेगा या सोहन के साथ!

आप चले जायेंगे या मैं पहुंचने आता हूँ!

परिणामवाचक संयुक्त वाक्य

जब एक साधारण वाक्य दूसरे साधारण या मिश्रित वाक्य का परिणाम होता है परिणामवाचक संयुक्त वाक्य कहलाता है दो वाक्य (इसलिए,अतः सो आदि) अव्ययो से जुड़े रहते है!

उदाहरण:

- आज बाजार बंद है इसलिए नहीं गया!
- वह जिद कर रहा था सो मैंने जाने दिया!
- आज बहुत काम है इसलिए में तुम्हारे साथ नहीं आ पाउँगा!

परिणामवाचक संयुक्त वाक्य

जब एक साधारण वाक्य दूसरे साधारण या मिश्रित वाक्य का परिणाम होता है परिणामवाचक संयुक्त वाक्य कहलाता है दो वाक्य (इसलिए,अतः सो आदि) अव्ययो से जुड़े रहते है!

उदाहरण:

- आज बाजार बंद है इसलिए नहीं गया!
- वह जिद कर रहा था सो मैंने जाने दिया!
- आज बहुत काम है इसलिए में तुम्हारे साथ नहीं आ पाउँगा!

सरल वाक्य – मेरी काली बकरी खेत में चर रही है।
प्रातः काल होने पर पक्षी चहचहाने लगे।

संयुक्त वाक्य – मेरी बकरी काली है और खेत में चर रही है।
प्रातः काल हुआ और पक्षी चहचहाने लगे।

मिश्र वाक्य – मेरी जो बकरी काली है वह खेत में चर रही है।
जब प्रातः काल हुआ तब पक्षी चहचहाने लगे।

खोल दे पंख मेरे
कहता है परिंदा,
अभी और उड़ान बाकी है,
जमीन नहीं है मंजिल मेरी,
अभी पूरा आसमान बाकी है।

Q.1 वाक्य के घटक या अंग होते हें

(A) उद्देश्य और विधेय

(B) कर्ता और क्रिया

(C) कर्म और क्रिया

(D) कर्म और विशेषण

Q.2 वाक्यों का वर्गीकरण कितने आधारों पर किया गया है?

(A) दो

(B) तीन

(C) चार

(D) पाँच

Q.3 जिन वाक्यों में एक उद्देश्य तथा एक ही विधेय होता है, उसे कहते हैं –

(A) एकल वाक्य

(B) सरल वाक्य

(C) मिश्र वाक्य

(D) संयुक्त वाक्य

Q.4 किशन भी परीक्षा में उत्तीर्ण होगा और हरि भी क्योंकि दोनों बहुत पढ़ते हैं, वाक्य है –

(A) मिश्र-संयुक्त

(B) मिश्र-मिश्र

(C) संयुक्त-मिश्र

(D) केवल मिश्र

Q.5 मिश्र वाक्य कहते हैं –

(A) जिनमें एक कर्ता और एक ही क्रिया होती है

(B) जिनमें एक से अधिक प्रधान उपवाक्य हों और वे संयोजक अव्यय द्वारा जुड़े हों

(C) जिनमें एक साधारण वाक्य तथा उसके अधीन दूसरा उपवाक्य हो

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं है

Q.6 जिन वाक्यों में एक से अधिक प्रधान उपवाक्य हों और वे संयोजक अव्यय द्वारा जुड़े हों, उसे कहते हैं

(A) विधिवाचक वाक्य

(B) सरल वाक्य

(C) मिश्र वाक्य

(D) संयुक्त वाक्य

Q.7 वाक्य के गुणों में सम्मिलित नहीं है

(A) लयबद्धता

(B) सार्थकता

(C) क्रमबद्धता

(D) आकांक्षा

Q.8 निम्न में से कौन-सा वाक्य मिश्र वाक्य नहीं है?

(A) मैंने एक पुस्तक खरीदी जो नई है

(B) यह वही बच्चा है, जिसे बैल ने मारा

(C) एक विज्ञान गोष्ठी हुई, जिसमें अनेक वक्ता बोले

(D) वह परिश्रमी ही नहीं वरन् ईमानदार भी है

Q.9 सरल वाक्य है

(A) उसके आने का समय निश्चित नहीं है

(B) मुझे बताओ कि तुम कहाँ रहते हो

(C) वह घर पर मिलेगा, तो मैं अवश्य बात करूँगा

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.10 इनमें से मिश्र वाक्य कौन-सा है?

(A) यौवन चरित्र निर्माण का समय है

(B) जो लोग स्वस्थ रहते हैं, उन्हें वैद्य के पास नहीं जाना पड़ता है

(C) करो या मरो

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं